चिरोल-रुट ट्रैनर में उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

प्रजाति का नाम - चिरोल
वनस्पति का नाम- होलोप्टिलिया इन्टीग्रीफोलिया

परिचय

यह अल्मेसी कुल का वृक्ष है। इसे हिन्दी में चिरौल के नाम से भी जाना जाता है।

पहचान

यह काफी बडा 12 से 15 मीटर की ऊँचाई का विकसित छत्र वाला वृक्ष होता है। इसकी पत्तियों में एक अलग तरह की दुर्गंध होती है। इसमें दीर्घ वृत्तीय 7.5-12.5 सेमी × 3.2—6.3 सेमी आकार की पत्ती होती है।

प्राप्ति स्थान

संपूर्ण भारत में शुष्क मिश्रित पर्णपाती वनों में पाया जाता है मुख्य रूप से छोटा नागपुर का पठार एवं मध्य भारत में पाया जाता है।

स्थानीय कारक (Locality Factor)

रेतीली दोमट, कछारी मिट्टी में इसकी अच्छी बढ़त देखी गई है।

बीज चक्र (Seed Cycle)

वृक्ष में प्रतिवर्ष बीज उत्पादित होता है।

ऋतुजैविकी (Phenology)

इस वृक्ष में फूल जनवरी से फरवरी माह में आते हैं एवं फल अप्रैल से मई माह में पककर तैयार हो जाते हैं। इसके फल पंखनुमा देखने में काफी खूबसूरत होते हैं।

प्रतिकिलो बीजों की संख्या

प्रतिकिलो बीजों की संख्या 25000-27000 तक पायी जाती है।

जीवन क्षमता अवधि

बीज की जीवन क्षमता अवधि 06 से 09 माह तक रहती है।

सुसुप्तावस्था

बीज में किसी भी तरह की सुसुप्तावस्था नहीं होती है।

अंकुरण क्षमता

बीज की अंकुरण क्षमता 50 से 60 प्रतिशत तक होती है।

पौध प्रतिषत

पौध प्रतिशत वातावरण पर निर्भर करता है अर्थात् छायादार स्थान एवं पर्याप्त पानी के साथ-साथ खरपतवार रहित होने पर पौध प्रतिशत 35 से 40 प्रतिशत तक देखी गई है।

उपयुक्त भंडारण विधि

बीज संग्रहण के पश्चात् दो से तीन दिन तक धूप में सुखाने के पश्चात् संग्रहण किया जाना चाहिए। बीज का संग्रहण कम तापमान पर कीटनाशक दवा का 0.2 प्रतिशत छिडकाव कर किया जाना चाहिए।

उपयोगिता की अवधि

बीज संग्रहण के पशत् 03 माह के अंदर उपयोग कर लेना चाहिए।

बुआई पूर्व उपचारण

किसी विशेष उपचार की आवश्यकता नही परन्तु बीज को 12 घंटे ठंडे पानी में डुबोकर रखने से अंकुरण शीघ्र एवं अधिक प्राप्त होता है।

अंकुरण हेतु उपयुक्त माध्यम

बीज के अंकुरण के लिए जर्मिनेशन ट्रे में रेत बिछाकर अथवा क्यारी में 03 से 04 सेमी की रेत की पर्त बिछाकर बीज की बुवाई करने से अंकुरण अधिक प्राप्त होता है।

बुआई का समय

बीज की बुआई अप्रैल से मई के मध्य उपयुक्त होती है।

100 पौधे हेतु आवश्यक बीजों की मात्रा

100 पौधे हेतु 8 से 10 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

बुआई हेतु उपयुक्त विधि

बीज की बुवाई करते समय बीज को बारह घंटे तक पानी में भिगोकर रखने के पश्चात् बीज बोना चाहिए तत्पश्चात् बीज के ऊपर रेत की पर्त बिछाकर उसके ऊपर घास फूंस से ढ़ंककर दिन में एकबार सिंचाई करना चाहिए। सिंचाई अलसुबह अथवा सूर्यास्त के पश्चात् करना चाहिए। दोपहर के समय सिंचाई कदापि न करें। परंतु सीधे उक्त उपचारण से बीज उपचारित कर रुट ट्रैनर में भी बीज की बुआई की जा सकती है।

रुट ट्रैनर में बीमारी एवं बचाव

रुट ट्रैनर में बीज अंकुरण के साथ अन्य खरपतवार भी आ जाते हैं जो कि मुख्य फसल के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं एवं हानि पहुंचाते हैं जिन्हें समय-समय पर निकालना अत्यंत आवश्यक होता है। इसके लिए विशेष प्रकार के खरपतवारनाशक का उपयोग कर पौधों की मृत प्रतिशतता से होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। इसकी पौध को छायादार स्थान में रखना अत्यंत आवश्यक है। अर्थात् पौधों को रुट ट्रैनर में धूप से बचाव करना हितकारी होगा।

Scanned with OKEN Scanner

पॉटिंग मिश्रण

विभिन्न रुट ट्रैनर साइजों में कुल 37 प्रकार के पोटिंग मिक्चर का प्रयोग किया गया। जिसमें अधिकतम पौध वृद्धि मिट्टी, रेत एवं गोबर खाद (1:1:1) के साथ-साथ 60 ग्राम वैम का मिश्रण प्रति पौध उपयोग में लाने पर पायी गई। अत: यह मिश्रण इस प्रजाति की पौध वृद्धि के लिये अत्यंत उपयोगी होगा।

रुट ट्रैनर का साइज

300 से 400 सीसी साइज के रुट ट्रैनर पौधो की अच्छी वृद्धि के लिए उपयुक्त पाये गये।

रोपण हेतु पौध ऊँचाई / आयु

उपरोक्त साईज के रुट ट्रैनर मे तैयार 06 से 08 माह की आयु के पौधे रोपण हेतु उपयुक्त होते हैं। रोपण के समय पौधे की कुल लंबाई 70 से 76 सेमी या उससे अधिक होनी चाहिए। रोपण के पश्चात्

प्रारंभिक अवस्था में कुछ समय तक लगातार सिंचाई एवं निंदाई की आवश्यकता होती है।

उपयोग

जलाऊ लकड़ी के रूप में उपयोग किया जाता है एवं चारकोल की प्राप्ति की जाती है। 12 माह पुराने पौध से 10 से 12 सेमी. की शूट एवं 20 से 25

सेमी. रूट को दोनो तरफ से हल्की सी कटिंग लगाने पर भी पौध तैयार किया जा सकता है।

संपर्क

डॉ. अर्चना शर्मा

वरिष्ठ वैज्ञानिक

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (म.प्र)

(0761) 2666529, 2665540

चिरोल
रुट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

(होलोप्टिलिया इन्टीग्रीफोलिया)

वन उत्पादकता प्रभाग

राज्य वन अनुसंधान संस्थान

पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.) 482008

www.mpsfri.org

Scanned with OKEN Scanner